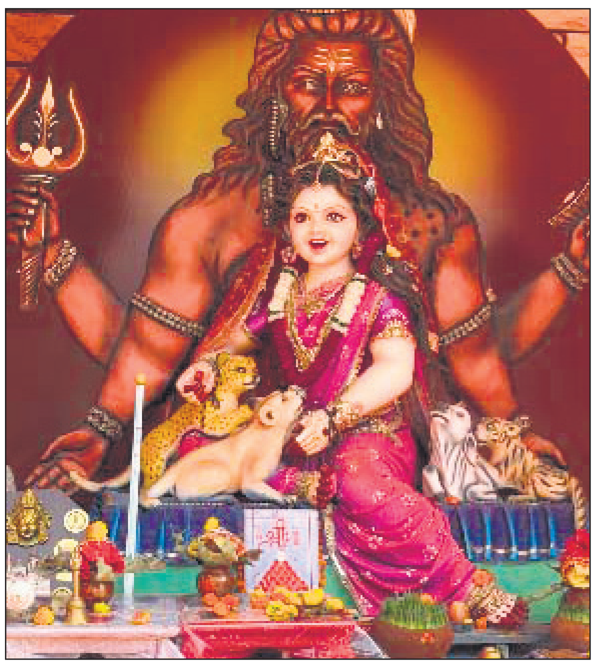

# दूसरे दिन तक झांकियों का निकला चल समारोह, हुआ रावण दहन

**खास बातें**

- झांकियों में हुए हवन, पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठान
- विसर्जन स्थल पर विधि-विधान से हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन

**नवभारत न्यूज**

**विदिशा/सिरोंज 21 अक्टूबर, शारदीय नवरात्रि महोत्सव के समापन पर नगर में नयनाभिराम झांकियों का चल समारोह निकाला गया। नगर के प्रमुख मार्गों से निकले चल समारोह में विभिन्न धार्मिक प्रसंगों पर आधारित झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ढोल-नगाड़ों, भक्ति गीतों और माता रानी के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा को विदाई दी। चल समारोह के दौरान नगर में मेले जैसा माहौल दिखाई दिया। शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग झांकियां देखने पहुंचे.**

नवरात्रि के अंतिम दिन सुबह से ही नगर में स्थापित देवी प्रतिमाओं के पंडालों में हवन-पूजन और पूर्णाहुति के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके बाद विभिन्न वार्डों से श्रद्धालु देवी प्रतिमाओं को लेकर शोभायात्रा के रूप में निकले। शोभायात्राओं में श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की धुन पर माता रानी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। भक्ति गीतों की गूंज और गुलाल की बौछारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा. चल समारोह में कलाकारों द्वारा विभिन्न धार्मिक प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियों की प्रस्तुतियां दी गईं। झांकियों के माध्यम से धार्मिक कथाओं और प्रसंगों को दर्शाया गया। इन्हें देखने के लिए मार्गों के दोनों ओर लोगों की भीड़ जुटी रही। विभिन्न संगठनों द्वारा झांकियों को पुरस्कृत भी किया गया। चल समारोह के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा।

### विसर्जन घाट पर किया प्रतिमाओं का विसर्जन

चल समारोह के बाद श्रद्धालु मां दुर्गा की प्रतिमाओं को लेकर कैथन बांध स्थित विसर्जन स्थल पहुंचे। यहां विधि-विधान से आरती और पूजन-अर्चन करने के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया. दोपहर से शुरू हुआ विसर्जन का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। विसर्जन स्थल पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही. नवरात्रि के नौ दिनों तक नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों की धूम रही। विभिन्न स्थानों पर आकर्षक झांकियां सजाई गईं तथा प्रतिदिन पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए.

### मुस्लिम समाज ने श्रीराम झांकी स्थल पर पहुंचकर किया स्वागत, 55 फीट के रावण का दहन

विदिशा। दशहरा पर्व पर सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे की अनूठी मिसाल देखने को मिली. मुस्लिम समाज के लोगों ने श्रीराम झांकी आयोजन स्थल पर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और फूल-मालाओं से स्वागत किया. आयोजन में विभिन्न समाजों के लोगों की सहभागिता ने पर्व की खुशियों को और बढ़ा दिया. कार्यक्रम में विधायक हरि सिंह रघुवंशी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती शशि अनिल यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीतू देवेंद्र सिंह रघुवंशी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गायत्री नरेंद्र सिंह रघुवंशी (गुड्डा) और डॉ. राकेश सिंह जादौन अतिथि के रूप में शामिल हुए. हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष सावन कुमार अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया. सभी अतिथियों और समिति सदस्यों ने श्रीराम दरबार पर पुष्पमालाएं अर्पित कर श्रद्धा व्यक्त की. कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने मंच पर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें उपस्थित लोगों ने सराहा. आयोजन में धार्मिक उत्साह के साथ सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिले. कार्यक्रम का संचालन रविंद्र जैन ने किया. 55 फीट के रावण का दहन, आतिशबाजी ने मोहा मनदशहरा पर्व के अवसर पर आयोजन स्थल पर 55 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया. इस दौरान इंदौर से बुलाई गई आतिशबाजी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही. आतिशबाजी देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे. श्रीराम दरबार के स्वागत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और रावण दहन के साथ दशहरा उत्सव उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ.

### प्यारखेड़ी में शस्त्र पूजन, संस्कृति संरक्षण का दिया संदेश

सिरोंज, ग्राम प्यारखेड़ी में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों और ग्रामवासियों ने सहभागिता की. इस दौरान धार्मिक परंपराओं, संस्कारों और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के महत्व पर विचार व्यक्त किए गए. कार्यक्रम में राकेश सक्सेना ने कहा कि बच्चों को धार्मिक संस्कार, भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं का ज्ञान कराना आवश्यक है, ताकि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझ सके और उसका सम्मान करे। उन्होंने शिक्षा, संस्कार और अनुशासन पर जोर दिया. इस अवसर पर जिला प्रिंट मीडिया प्रभारी प्रदीप राठौर ने भी शस्त्र पूजन की परंपरा और उसके उद्देश्य पर विचार व्यक्त किए. उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं के संरक्षण के लिए समाज को जागरूक रहने का संदेश दिया. कार्यक्रम में राकेश, दिनेश सेन, अशोक साहू, वीर सिंह केवट, लाखन सिंह, बबलू लोधी, विवेक लोधी, लोकेश लोधी, प्रदीप बघेल, गौरव बघेल सहित विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे.

### कुरवाई में दशहरे पर शस्त्र पूजन हुआ, बेतवा घाट हुईं प्रतिमायें विसर्जन

दशहरा पर्व पर कुरवाई थाना परिसर और बाल बजरंग अखाड़े में आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम हुआ, शस्त्र पूजन का कार्यक्रम विधि-विधान से संपन्न हुआ इस दौरान विधायक, हनी सिंह सप्रे सहित जनप्रतिनिधियों के अलावा प्रशासनिक अधिकारी गण ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की. थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि सीताराम सैनी, एसडीएम मोतीलाल अहिरवार, एसडीओपी रोशनी ठाकुर, थाना प्रभारी आर.के. मिश्रा, तहसीलदार संदीप शर्मा वहीं, बाल बजरंग अखाड़े में उस्ताद शिवरतन पहलवान सहित अखाड़े के पहलवानों की मौजूदगी में शस्त्र पूजन किया गया। विधायक सप्रे बेतवा घाट स्थित मूर्ति विसर्जन स्थल पहुंचे, प्रशासन के स्तर पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे ताकि मूर्ति विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो.

**रावण दहन और धार्मिक आयोजन हुए**

दशहरे के अवसर पर दशहरा मैदान में रावण दहन किया गया विधायक सप्रे नगर में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए. साथ ही माता बाग मंदिर एवं शिवशक्ति धाम द्वारा आयोजित भंडारे में भी सहभागिता की। रात्रि में लकी फ्रेंड सर्कल द्वारा आयोजित देवी जागरण में शामिल होकर आयोजन के उत्साह की सराहना की.

## बेतवा के घाटों पर तीन ट्रॉली से अधिक विसर्जन सामग्री एकत्रित

**नवभारत न्यूज**

**गंजबासौदा, नवरात्रि और दशहरे के बाद बेत**वा नदी के घाटों पर विसर्जन सामग्री का ढेर लग गया है. धार्मिक आस्था के चलते पूजन सामग्री, जवारे और मूर्तियों के विसर्जन से नदी तटों पर गंदगी फैल रही है. बेतवा उत्थान समिति के नियमित श्रमदानियों ने गुरुवार को करीब दो घंटे श्रमदान कर घाटों से तीन ट्रॉली से अधिक विसर्जन सामग्री एकत्रित की. समिति के अनुसार, दशहरे के बाद नदी के विभिन्न घाटों पर 50 ट्रॉली से अधिक सामग्री विसर्जित की गई है. इसे पूरी तरह हटाने में सात से दस दिन तक लग सकते हैं.

बेतवा उत्थान समिति के श्रमदानी पिछले 23 वर्षों से नागरिकों से पूजन सामग्री और मूर्तियां नदियों तथा अन्य जल स्रोतों में विसर्जित नहीं करने की अपील कर रहे हैं. इसके बावजूद हर साल त्योहारों के बाद नदी में बड़ी मात्रा में विसर्जन सामग्री पहुंचती है. समिति के सचिव राजकुमार अग्रवाल ने धर्मगुरुओं से अपील की कि वे आस्था से जुड़े लोगों को विसर्जन के वैकल्पिक तरीके बताएं, ताकि पारंपरिक जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाया जा सके. उन्होंने कहा कि मूर्तियों में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक रंग और अन्य सामग्री जल को प्रदूषित करते हैं. इससे जलीय जीवों, विशेषकर मछलियों को नुकसान पहुंचने की आशंका रहती है. मछलियां नदी के पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए नदी को प्रदूषण से बचाना जरूरी है.

### 23 साल से विसर्जन कुंड की मांग अधूरी

समिति के संरक्षक अतुल रतनसी शाह ने नदी में लगातार हो रहे विसर्जन पर चिंता जताई. उन्होंने कहा कि पिछले 23 वर्षों से व्यवस्थित और बड़े विसर्जन कुंड की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक इसका समाधान नहीं हुआ है. उचित विकल्प उपलब्ध नहीं होने के कारण नागरिक धार्मिक सामग्री और मूर्तियों का विसर्जन नदियों में करते हैं. उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन नागरिकों को सुविधाजनक और व्यवस्थित विकल्प उपलब्ध कराए, तो बेतवा सहित अन्य पारंपरिक जल स्रोतों को विसर्जन से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है.

## शानदार आतिशबाजी के बीच हुआ 30 फीट के रावण दहन

**नवभारत न्यूज**

**सिरोंज। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक विजयदशमी पर्व पर शहर में उत्साह और उल्लास के साथ दशहरा मनाया गया। स्थानीय दशहरा मैदान तालाब परिसर में आयोजित कार्यक्रम में करीब 30 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों के दहन के साथ शानदार आतिशबाजी की गई। आतिशबाजी का नजारा देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे.**

कार्यक्रम के दौरान रामायण के विभिन्न प्रसंगों पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। कलाकारों ने अपनी विशिष्ट वेशभूषा और प्रभावशाली संवाद शैली से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इसके पूर्व भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और वानर सेना के स्वरूप में सजे कलाकार नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। इस दौरान धार्मिक उत्साह का माहौल रहा। रावण दहन के बाद भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक किया गया. विजयदशमी के अवसर पर महाराणा प्रताप व्यायामशाला के सदस्यों द्वारा शहर में अखाड़ा भी निकाला गया। अखाड़े में शामिल सदस्यों ने अपने पारंपरिक कौशल का प्रदर्शन किया.

## सिरोंज में कांग्रेस की जन पदयात्रा, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन

**नवभारत न्यूज**

**सिरोंज। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में कांग्रेसियों ने सोमवार को जन पदयात्रा निकाली। इस दौरान उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया.**

जन पदयात्रा जनपद कार्यालय के पास स्थित तिराहे से शुरू होकर पुराने बस स्टैंड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष पहुंची। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रगान किया। इसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके चित्र का दहन करने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच छीना-झपटी हुई। पुलिस ने चित्र अपने कब्जे में ले लिया। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनाव आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता जरूरी है। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवालों की जांच होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र, संविधान और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाती रहेगी.

### ब्लॉक कांग्रेस देवपुर ने भी निकाली जन पदयात्रा

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवपुर के अध्यक्ष अर्जुन राजपूत के नेतृत्व में भी जन पदयात्रा निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान अर्जुन राजपूत ने किसानों और आम जनता की समस्याओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि किसान खाद के लिए परेशान हो रहे हैं। टोकन व्यवस्था में आ रही दिक्कतों और बिजली कटौती के कारण भी किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है.

### मां शीतला माता मंदिर में हुआ कन्याभोज

**सिरोंज।** नवरात्रि पर्व के समापन पर स्थानीय कठाली बाजार स्थित मां शीतला माता मंदिर में विशाल कन्याभोज का आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था और श्रद्धा के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कन्याओं ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हवन किया गया और विधि-विधान से पूर्णाहुति संपन्न हुई.


मरने के बाद
राख होने से अच्छा है
देहदान
नेत्रदान
अंगदान
करके किसी के काम आ जाएं.

संपर्क-विकास पचौरी फाउंडेशन, शेरपुरा, विदिशा
वॉट्सऐप 9425614950


**आयोजन** | युद्ध देखने उमड़े हजारों लोग, विधायक उमाकांत शर्मा ने की पूजा-अर्चना

## लक्ष्मण रेखा के भीतर राम दल के सैनिकों को पत्थर नहीं छूने की मान्यता

**नवभारत न्यूज**

**आनंदपुर। लटेरी तहसील के ग्राम कालादेव में विजयादशमी पर वर्षों पुरानी परंपरा के तहत राम-रावण सेना के बीच पत्थरों का अनोखा युद्ध हुआ. रावण दल के गोफनधारियों ने राम दल की ओर पत्थरों की बौछार की. इस पारंपरिक युद्ध को देखने मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित बाहर से भी हजारों लोग पहुंचे. हालांकि, आयोजन के दौरान एक बच्चे को चोट लगने की घटना सामने आई, जिसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया.**

गोफन से पत्थरों की बौछार

कालादेव का दशहरा अपनी अनूठी परंपरा के लिए प्रसिद्ध है. यहां रावण दल के लोग गोफन (गोफिया) से पत्थर चलाते हैं, जबकि राम दल में मुख्य रूप से कालादेव के लोग शामिल होते हैं. स्थानीय मान्यता है कि भगवान राम की कृपा से राम दल के सैनिक पत्थरों की बौछार के बावजूद सुरक्षित रहते हैं. ग्रामीणों के अनुसार, इस युद्ध में करीब 200 ग्राम तक वजन के पत्थरों का इस्तेमाल किया जाता है.

आयोजन के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए तहसील प्रशासन तथा पुलिस बल तैनात रहा. मौके पर एसडीएम, एसडीओपी सहित विभिन्न थानों का पुलिस बल मौजूद था. ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और ग्रामीणों ने भी व्यवस्थाएं संभालीं. कार्यक्रम में भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह बघेल, आनंदपुर मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, रामगुलाम राजोरिया, जिला मंत्री राजकुंवर बघेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश यादव सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे. युद्ध के दौरान दशहरा मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंजता रहा. सामान्य रावण दहन से अलग इस आयोजन में राम-रावण युद्ध को पत्थरों की बौछार के बीच प्रतीकात्मक रूप से निभाया जाता है. यही विशेषता कालादेव के दशहरे को अलग पहचान देती है. हालांकि, बच्चे के घायल होने की घटना के बाद दर्शकों, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त दूरी और सुरक्षित घेरा बनाए रखना जरूरी है.

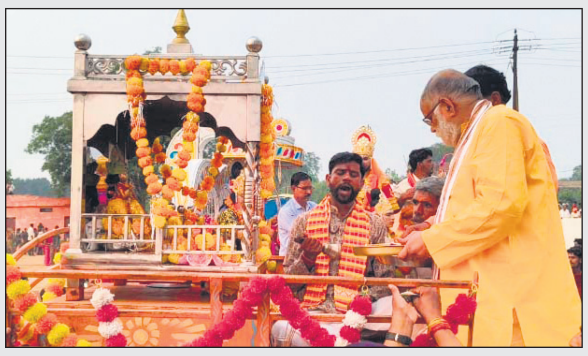

### लक्ष्मण रेखा से जुड़ी मान्यता

युद्ध शुरू होने से पहले मैदान में लक्ष्मण रेखा खींची जाती है. स्थानीय मान्यता के अनुसार, इसके भीतर राम दल के सैनिकों को पत्थर नहीं छूते. वहीं, रावण दल में आसपास के गांवों के आदिवासी समुदाय के लोग शामिल होते हैं, जिन्हें गोफन चलाने में दक्ष माना जाता है. ग्रामीण इस परंपरा को पीढ़ियों से चली आ रही धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक मानते हैं. स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार, कालादेव में यह परंपरा भगवान श्रीकृष्ण के काल से चली आ रही है. हालांकि, पत्थरों से होने वाले इस आयोजन में चोट लगने का खतरा भी बना रहता है. इस बार बच्चे के घायल होने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने की जरूरत को रेखांकित किया है.

### विधायक उमाकांत शर्मा ने की पूजा-अर्चना

विजयादशमी पर सिरोंज-लटेरी विधायक उमाकांत शर्मा कालादेव पहुंचे. उन्होंने पूजा-अर्चना और आरती की तथा राम-रावण युद्ध का अवलोकन कर क्षेत्रवासियों को दशहरे की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कालादेव के दशहरे को क्षेत्र की विशिष्ट सांस्कृतिक धरोहर बताया. साथ ही पूर्व मंत्री स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शर्मा के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से आयोजन को भव्य स्वरूप मिला. कालादेव में पूजा-अर्चना के बाद विधायक बुढ़ाखेड़ा स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमान जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की.

## पथ संचलन में कदमताल करते निकले स्वयंसेवक

**नवभारत न्यूज**

**सिरोंज।** विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वाधान में नगर में पथ संचलन निकाला गया। पथ संचलन का शहर में नागरिकों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा और गुलाल उड़ाकर स्वागत किया। कई स्थानों पर रंगोलियां सजाकर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया गया.

पथ संचलन सरस्वती शिशु मंदिर से प्रारंभ हुआ। यहां से स्वयंसेवक छतरी चौराहा, कस्टम पथ, कठाली बाजार, मुख्य बाजार, सराफा बाजार, पुराना कोर्ट गेट, जनपद पंचायत, नगर पालिका कार्यालय, सुभाष नगर, बासौदा नाका और लिंक रोड से होते हुए पुनः प्रारंभ स्थल पहुंचे। संचलन के दौरान स्वयंसेवक अनुशासित ढंग से कदमताल करते हुए चल रहे थे। साथ ही राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीतों का गायन किया जा रहा था।विजयादशमी के अवसर पर बगरोदा मंडल में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शस्त्र पूजन के साथ हुई। इसके बाद गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने अनुशासित ढंग से गांव की प्रमुख सड़कों से पथ संचलन निकाला। कदमताल करते हुए निकले स्वयंसेवकों ने अनुशासन, संगठन और एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने सहभागिता की.